SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Mediator / Arbitrator

मध्यस्थ (मीडिएटर) और विवाचक (आर्बिट्रेटर) ऐसे विवाद-समाधानकर्ता होते हैं जो झगड़ों को अदालत के बाहर, तेज़ी और गोपनीयता के साथ सुलझाते हैं। मध्यस्थ दोनों पक्षों के बीच बातचीत करवाकर उन्हें आपसी सहमति से समझौते तक पहुँचने में मदद...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/mediator-arbitrator

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

मध्यस्थ (मीडिएटर) और विवाचक (आर्बिट्रेटर) ऐसे विवाद-समाधानकर्ता होते हैं जो झगड़ों को अदालत के बाहर, तेज़ी और गोपनीयता के साथ सुलझाते हैं। मध्यस्थ दोनों पक्षों के बीच बातचीत करवाकर उन्हें आपसी सहमति से समझौते तक पहुँचने में मदद करता है, जबकि विवाचक एक निजी न्यायाधीश की तरह दोनों पक्षों को सुनकर बाध्यकारी निर्णय (अवार्ड) देता है। यह वैकल्पिक विवाद समाधान (ADR) का क्षेत्र है, जो व्यापार, संपत्ति, परिवार और अनुबंध संबंधी झगड़ों में तेज़ी से बढ़ रहा है। भारत में मध्यस्थता अधिनियम 2023 और मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम 1996 ने इस पेशे को नई पहचान दी है, और अदालतों पर बढ़ते बोझ के कारण कुशल मध्यस्थों व विवाचकों की माँग लगातार बढ़ रही है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	विधि स्नातक (LLB) + मध्यस्थता/आर्बिट्रेशन प्रशिक्षण
अवधि	5 वर्ष (इंटीग्रेटेड LLB) या 3 वर्ष LLB + 40 घंटे प्रशिक्षण
आरंभिक वेतन	₹30,000–60,000/माह
कार्यक्षेत्र	अदालतें, मध्यस्थता केंद्र, आर्बिट्रेशन संस्थान, लॉ फर्म

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- लोगों के झगड़े सुलझाने और शांति बनाने में गहरी रुचि
- बातचीत, समझौता-वार्ता और मानव व्यवहार को समझने में रुचि
- कानून, न्याय और तर्क-वितर्क की दुनिया के प्रति आकर्षण

क्षमताएँ

- निष्पक्ष रहकर बिना किसी पक्ष का साथ लिए सोचने की क्षमता
- तेज़ विश्लेषण और तर्कसंगत निर्णय लेने की योग्यता
- धैर्य से सुनना और तनाव में भी शांत रहना

ज़रूरी कौशल

- समझौता-वार्ता (नेगोशिएशन) और मेल-मिलाप कराने का कौशल
- निष्पक्षता और तटस्थता बनाए रखना

- प्रभावी संवाद और सक्रिय श्रवण (एक्टिव लिसनिंग)
- धैर्य, संयम और भावनाओं को संभालने की क्षमता
- स्पष्ट लेखन — समझौता-पत्र और आर्बिट्रल अवार्ड तैयार करना
- कानूनी ज्ञान — अनुबंध, संपत्ति और वाणिज्यिक कानून की समझ
- गोपनीयता बनाए रखना और नैतिक आचरण

4 कैसे पहुँचें

1. 12वीं के बाद CLAT परीक्षा देकर किसी नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में 5 वर्षीय एकीकृत विधि (BA-LLB) में प्रवेश लें, या स्नातक के बाद 3 वर्षीय LLB करें।
2. बार काउंसिल में पंजीकरण कराकर वकील के रूप में अभ्यास शुरू करें और अनुबंध, वाणिज्यिक व सिविल कानून में अनुभव लें।
3. मध्यस्थता के लिए MCPC/NALSA द्वारा मान्यता प्राप्त 40 घंटे का मीडिएशन प्रशिक्षण पूरा करें।
4. आर्बिट्रेशन के लिए ICADR, IIAM या IICA जैसे संस्थानों से आर्बिट्रेटर प्रमाणन/प्रशिक्षण लें; चाहें तो चार्टर्ड इंस्टीट्यूट ऑफ आर्बिट्रेटर्स (CIArb) की फेलोशिप करें।
5. अदालत से जुड़े मध्यस्थता केंद्रों या आर्बिट्रेशन संस्थानों के पैनल में सूचीबद्ध होकर मामले लेना शुरू करें।
6. अनुभव के साथ स्वतंत्र प्रैक्टिस, वरिष्ठ आर्बिट्रेटर या संस्थागत पैनल सदस्य के रूप में आगे बढ़ें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- CLAT (कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट) — विधि पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु
- AILET (नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली) — विधि पाठ्यक्रम हेतु वैकल्पिक परीक्षा

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर (NLU Jodhpur) — CARTAL आर्बिट्रेशन केंद्र — जोधपुर, राजस्थान (https://nlujodhpur.ac.in/center/14)
- मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (MCPC), भारत का उच्चतम न्यायालय — अखिल भारतीय / नई दिल्ली (https://mcpc.nic.in/)
- NALSA ऑनलाइन मध्यस्थता प्रशिक्षण पोर्टल — अखिल भारतीय / ऑनलाइन (https://nalsamediation.nic.in/)
- अंतर्राष्ट्रीय वैकल्पिक विवाद समाधान केंद्र (ICADR) — हैदराबाद / दिल्ली / बेंगलुरु (https://icadr.telangana.gov.in/)
- भारतीय कॉर्पोरेट कार्य संस्थान (IICA) — प्रमाणित मध्यस्थ/आर्बिट्रेशन कार्यक्रम — मानेसर, हरियाणा / ऑनलाइन (https://iica.nic.in/mediation/)

निजी संस्थान

- भारतीय आर्बिट्रेशन एवं मध्यस्थता संस्थान (IIAM) — कोच्चि / अखिल भारतीय (https://www.arbitrationindia.com/)
- मुंबई सेंटर फॉर इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन (MCIA) — मुंबई, महाराष्ट्र (https://mcia.org.in/)

ऑनलाइन

- NALSA ऑनलाइन मध्यस्थता प्रशिक्षण — ऑनलाइन (https://nalsamediation.nic.in/)
- IICA प्रमाणित आर्बिट्रेशन कार्यक्रम (ICAP) — ऑनलाइन (https://iica.nic.in/arbitration/)

फ़ीस

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में 5 वर्षीय विधि पाठ्यक्रम की फीस लगभग ₹2–3 लाख प्रति वर्ष होती है, जबकि राज्य विश्वविद्यालयों व सरकारी लॉ कॉलेजों में यह बहुत कम (₹10,000–50,000 प्रति वर्ष) है। MCPC/NALSA का 40 घंटे का मध्यस्थता प्रशिक्षण अक्सर निःशुल्क या रियायती होता है; ICADR/IIAM/IICA के आर्बिट्रेशन व मीडिएशन प्रमाणन पाठ्यक्रम लगभग ₹10,000–60,000 तक के होते हैं।

छात्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- SJE राजस्थान छात्रवृत्ति (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- Buddy4Study – विधि (Law) छात्रवृत्तियाँ (https://www.buddy4study.com/scholarships/law-scholarships)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

अदालत से जुड़े मध्यस्थता केंद्र, ज़िला व उच्च न्यायालय, आर्बिट्रेशन संस्थान (ICADR, MCIA, IIAM), लॉ फर्म, कॉर्पोरेट कानूनी विभाग, तथा स्वतंत्र चैंबर व ऑनलाइन (वर्चुअल) सुनवाई।

कार्य-संस्कृति

काम मुख्यतः बैठकों, सुनवाइयों और दस्तावेज़ अध्ययन का होता है — प्रायः औपचारिक व शांत माहौल में। मामले के अनुसार घंटे लचीले होते हैं; स्वतंत्र प्रैक्टिस में समय अपने हिसाब से तय किया जा सकता है। इसमें गोपनीयता, निष्पक्षता और नैतिक आचरण अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

कौन नौकरी देता है

- अदालत से जुड़े मध्यस्थता केंद्र और राज्य/ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA/SLSA)
- लॉ फर्म और स्वतंत्र वकीलों के चैंबर
- बैंक, बीमा कंपनियाँ और निर्माण/इन्फ्रास्ट्रक्चर संस्थान (जहाँ अनुबंध विवाद अधिक होते हैं)
- आर्बिट्रेशन संस्थान — ICADR, MCIA, IIAM, दिल्ली इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर
- कॉर्पोरेट कंपनियों के कानूनी व अनुपालन विभाग
- सरकारी उपक्रम (PSU) और नियामक संस्थाएँ जो पैनल आर्बिट्रेटर नियुक्त करती हैं

माँग (2026)

भारतीय अदालतों में करोड़ों मामले लंबित होने के कारण सरकार वैकल्पिक विवाद समाधान (ADR) को ज़ोर-शोर से बढ़ावा दे रही है। मध्यस्थता अधिनियम 2023 ने संस्थागत व पूर्व-मुकदमा (प्री-लिटिगेशन) मध्यस्थता को कानूनी मान्यता दी है, जिससे प्रशिक्षित मध्यस्थों की भारी माँग पैदा हुई है। वाणिज्य, स्टार्टअप, निर्माण और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में आर्बिट्रेशन तेज़ी से लोकप्रिय हो रहा है — इसलिए यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में तेज़ी से बढ़ने वाला माना जाता है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. विधि स्नातक / प्रशिक्षु वकील (लॉ इंटर्न)
2. प्रैक्टिसिंग वकील (सिविल/वाणिज्यिक कानून)
3. प्रमाणित मध्यस्थ / पैनल आर्बिट्रेटर
4. वरिष्ठ मध्यस्थ / स्वतंत्र आर्बिट्रेटर
5. आर्बिट्रेशन संस्थान का पैनल प्रमुख / अंतरराष्ट्रीय आर्बिट्रेटर

कमाई

शुरुआत	₹30,000–60,000/माह
मध्य स्तर	₹80,000–2,00,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹3,00,000–15,00,000+/माह

शुरुआती स्तर पर वकील या ADR सहयोगी के रूप में आय ₹30,000–60,000/माह होती है। अनुभवी मध्यस्थ प्रति मामला शुल्क लेते हैं, और वरिष्ठ आर्बिट्रेटर प्रति सुनवाई या प्रति मामला लाखों रुपये तक कमाते हैं — आय मामले की जटिलता व दावे की राशि पर निर्भर करती है। शीर्ष स्तर के आर्बिट्रेटर (जैसे पूर्व न्यायाधीश) की आय बहुत अधिक होती है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- अदालत की तुलना में तेज़, सम्मानजनक और शांतिपूर्ण तरीके से विवाद सुलझाने का संतोष
- तेज़ी से बढ़ता क्षेत्र — मध्यस्थता अधिनियम 2023 के बाद बड़ी माँग
- अनुभव के साथ लचीला समय और उच्च आय की संभावना

चुनौतियाँ

- स्थिर आय बनने में समय लगता है; शुरुआत में मामले कम मिलते हैं
- तनावपूर्ण विवादों में भावनात्मक दबाव और निष्पक्ष रहने की चुनौती
- पहले विधि की डिग्री व वर्षों का अनुभव आवश्यक — रास्ता लंबा है

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Fali S. Nariman
विख्यात भारतीय विधिवेत्ता, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं अंतरराष्ट्रीय आर्बिट्रेटर

फली एस. नरीमन भारत के सबसे सम्मानित विधिवेत्ताओं में से एक थे और अंतरराष्ट्रीय आर्बिट्रेशन (विवाचन) के क्षेत्र में उनका नाम पूरी दुनिया में जाना जाता है। 1971 से उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता रहे नरीमन ने वर्ष 1994 से 2002 तक इंटरनेशनल काउंसिल फॉर कमर्शियल आर्बिट्रेशन (ICCA) के अध्यक्ष के रूप में सेवा दी और बाद में इसके मानद अध्यक्ष बने। उन्होंने भारत को अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक विवाचन के मानचित्र पर स्थापित किया। साधारण कद-काठी वाले नरीमन को उनके साथियों ने 'शरीर से छोटे पर हौसले से विशाल' कहा। उनकी कहानी बताती है कि गहन कानूनी ज्ञान, निष्पक्षता और ईमानदारी से एक वकील विवाद-समाधान के शिखर तक पहुँच सकता है।

International Council for Commercial Arbitration (ICCA) · https://www.arbitration-icca.org/fali-nariman-1929-2024

Justice Indu Malhotra
उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश एवं पूर्णकालिक आर्बिट्रेटर

न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा भारत की एक अग्रणी विधिवेत्ता हैं जिन्होंने आर्बिट्रेशन (विवाचन) कानून में अपनी विशेषज्ञता के दम पर इतिहास रचा। वे बार से सीधे उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश नियुक्त होने वाली पहली महिला बनीं (2018–2021)। उन्होंने आर्बिट्रेशन एवं सुलह अधिनियम 1996 पर प्रसिद्ध टिप्पणी-ग्रंथ लिखा, जिसे देश के न्यायालयों ने अनेक ऐतिहासिक निर्णयों में उद्धृत किया है। सेवानिवृत्ति के बाद वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मामलों में पूर्णकालिक आर्बिट्रेटर के रूप में कार्यरत हैं और हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय की सदस्य हैं। उनकी कहानी हर उस लड़की के लिए प्रेरणा है जो कानून व विवाद-समाधान के क्षेत्र में शीर्ष तक पहुँचना चाहती है।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Indu_Malhotra

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- न्यायाधीश
- पेटेंट वकील / बौद्धिक संपदा वकील
- कॉर्पोरेट कानूनी सलाहकार / अनुपालन अधिकारी

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – मध्यस्थता — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%ae%e0%a4%a7%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%a5%e0%a4%a4%e0%a4%be/

2. मध्यस्थता अधिनियम 2023 – प्रेस सूचना ब्यूरो (PIB) — https://www.pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1986723

3. मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (MCPC) — https://mcpc.nic.in/

4. भारत का उच्चतम न्यायालय – मध्यस्थता — https://www.sci.gov.in/mediation/

5. CLAT – नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी संघ — https://consortiumofnlus.ac.in/

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in